A-201

बी. ए. (प्रथम वर्ष) परीक्षा, 2015

प्रयोजनमूलक हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र

(हिन्दी का प्रायोगिक व्याकरण और वार्तालाप)

समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 35

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम प्रश्न अनिवार्य** है तथा चारों इकाइयों में से प्रत्येक से **एक-एक** प्रश्न करना आवश्यक है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए : 1½×10=15

   (क) प्रयोजनमूलक हिन्दी की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।

   (ख) 'में' का प्रयोग किस कारक में होता है?

   (ग) तालव्य व्यंजनों का उल्लेख कीजिए।

   (घ) सकर्मक क्रिया को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'ब्रम्ह', 'प्राक्रत' और 'स्थाई' की शुद्ध वर्तनी लिखिए।

(च) कर्ता, करण और सम्बन्ध कारकों के परसर्गों का उल्लेख कीजिए।

(छ) 'प्रयत्न', 'नियम', और 'अभ्यास' शब्दों से उपसर्ग अलग कीजिए।

(ज) 'क', 'ट' और 'प' वर्णों के उच्चारण स्थान का उल्लेख कीजिए।

(झ) विशेषण किसे कहते हैं? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ञ) हिन्दी में प्रयुक्त होने वाले तीन विराम चिह्नों को उदाहरण सहित लिखिए।

इकाई - एक 5

2. हिन्दी और अंग्रेजी की वाक्य संरचना का तुलनात्मक विवेचन कीजिए।

3. हिन्दी भाषा की प्रकृतिगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

इकाई - दो 5

4. ध्वनि विज्ञान पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

5. हिन्दी वर्णों के उच्चारण स्थान का उल्लेख कीजिए।

इकाई - तीन 5

6. हिन्दी के कारकों और उनके परसर्गों की विवेचना कीजिए।

7. 'ने' विभक्ति (परसर्ग) के प्रयोग को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

इकाई - चार 5

8. देवनागरी लिपि की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

9. हिन्दी विराम चिह्नों का सोदाहरण परिचय दीजिए।